UNIVERSITY OF DELHI

B.A. (Programme) Hindi

Ability Enhancement Course (AEC)

(SEMESTER-I)

based on

Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)

(Effective from Academic Year 2022-23)

List of AEC Courses (Choose one from a pool)

S.No.	Course Title	Nature of Course	Total Credits	Components			Annexures (Contents of the Course and Reference is in)	Eligibility Criteria/ Prerequisite
				L	T	P		
1.	हिन्दी 'क' हिन्दी भाषा और साहित्य अथवा प्रयोजनमूलक हिन्दी	AEC	2				***Annexure-I***	Studied Hindi upto 12th
2.	हिन्दी 'ख' हिन्दी भाषा और मीडिया अथवा राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी	AEC	2				***Annexure-II***	Studied Hindi upto 10th
3.	हिन्दी 'ग' भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी अथवा कार्यालयी हिन्दी	AEC	2				***Annexure-III***	Studied Hindi upto 08th

सेमेस्टर - 1

हिन्दी 'क'

हिन्दी भाषा और साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **(Course Objectives):**

- हिन्दी भाषा के सम्बन्ध में विद्यार्थी की जानकारी को बढ़ाना
- विद्यार्थी की भाषायी-दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विद्यार्थी की लेखन क्षमता को बढ़ावा देना

शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा ।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय

- आधुनिक हिन्दी भाषा के विकास का संक्षिप्त परिचय
- स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी भाषा (राष्ट्रभाषा के सन्दर्भ में)
- हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण का प्रभावशाली माध्यम (संपर्क भाषा)

इकाई 2: हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण के विविध आयाम

- बोलचाल की भाषा, लोकभाषा के रूप में हिन्दी
- मानक हिन्दी

- कार्यालयी हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3:

- रचनात्मक लेखन- कहानी/कविता/यात्रा वृत्तांत
- सोशल मीडिया के लिए लेखन (ब्लॉग लेखन/फेसबुक पोस्ट)
- भाषा की दृष्टि से किसी एक फिल्म का विश्लेषण ('दोस्ती', 'तारे जमीन पर', 'लगान')

इकाई 4:

- 'पुष्प की अभिलाषा' (कविता - माखनलाल चतुर्वेदी) - वाचन और विश्लेषण
- 'मन्त्र' (प्रेमचंद की कहानी) - पठन, संवाद वाचन और सार लेखन
- 'हो गयी है पीर पर्वत सी' (ग़ज़ल - दुष्यंत कुमार) - पठन और मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा: हिन्दुस्तानी अकैडमी, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक - डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल: प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
3. मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल: अध्ययन पब्लिशर्स एवं डिसट्रिब्यूटर्स, संस्करण 2000
4. रचनात्मक लेखन - सं रमेश गौतम: भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
5. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
7. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'क'

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

• विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना

• भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना

• रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

• हिन्दी की प्रयोजनमूलकता से परिचय करवाना

• हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

• भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।

• स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा ।

• वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

- प्रयोजनमूलक हिन्दी: अभिप्राय

- प्रयोजनमूलक हिन्दी का उद्देश्य
- बोलचाल की हिन्दी और प्रयोजनमूलक हिन्दी में अंतर

इकाई 2: प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप

- कार्यालयी हिन्दी: अभिप्राय, क्षेत्र
- पत्राचार के विभिन्न प्रकार
- कार्यालय में प्रयुक्त प्रशासनिक अभिव्यक्तियाँ (कोई 20)

व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाले किन्हीं दो विज्ञापनों का भाषागत विश्लेषण
- रेडियो-टेलीविज़न, सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाले किन्हीं दो प्रिय विज्ञापनों की विशेषताओं का वर्णन
- हिन्दी शब्द कोश को देखने का अभ्यास

इकाई 4

- समाचार पत्रों के लिए विज्ञापन का प्रारूप तैयार करना
- कार्यालय में प्रयुक्त होने वाले पत्राचार के विभिन्न रूपों का लेखन (स्व-वृत्त लेखन, आवेदन लेखन)
- साक्षात्कार का अभ्यास, समूह चर्चा

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के: लोकभारती प्रकाशन संस्करण 2008
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय: लोकभारती प्रकाशन संस्करण 2007
3. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी: कलिंग पब्लिकेशन्स
4. व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग - डॉ. ओम प्रकाश: राजपाल एंड संस संस्करण 2003

5. प्रायोगिक हिन्दी - सं रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण 2013
6. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
8. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया **(Teaching Learning Process)**

- इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति **(Assessment Method)**

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

हिन्दी 'ख'

हिन्दी भाषा और मीडिया

पाठ्यक्रम उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी भाषा के स्वरूप से अवगत कराना
- मीडिया में हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित पर विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान **(Course Learning Outcomes):**

• भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।

• स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा ।

• वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: मानक हिन्दी और मीडिया

- मानक हिन्दी का महत्त्व
- मानक हिन्दी की विशेषताएँ
- मीडिया में मानक हिन्दी

इकाई 2: मीडिया में हिन्दी का प्रयोग

- प्रिंट मीडिया की हिन्दी
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की हिन्दी
- सोशल मीडिया की हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- मीडिया के लिए रचनात्मक लेखन (संवाद/पटकथा)
- प्रिंट मीडिया के लिए फीचर लेखन
- सोशल मीडिया के लिए लेखन (फेसबुक पोस्ट, ब्लॉग लेखन)

इकाई 4

- 'मेरे देश की धरती सोना उगले' (उपकार फिल्म) - गीत की भाषा का विश्लेषण
- किसी एक फिल्म पर समूह चर्चा ('उपकार', 'थ्री इडियट्स', भाग मिल्खा भाग')
- किन्हीं पाँच समाचार शीर्षकों का एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा: हिन्दुस्तानी अकैडमी, इलाहाबाद
2. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - हरिमोहन: तक्षशिला प्रकाशन संस्करण 2006
3. रचनात्मक लेखन - सं रमेश गौतम: भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
4. प्रायोगिक हिन्दी - सं रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण 2013
5. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
7. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया **(Teaching Learning Process)**

- इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति **(Assessment Method)**

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'ख'

हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषायी दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- राजभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी की यात्रा की जानकारी देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिन्दी में रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

• भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।

• स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा ।

• वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: राष्ट्रभाषा हिन्दी

- राष्ट्रभाषा हिन्दी और राष्ट्रीय एकता
- महात्मा गाँधी, राजेन्द्र प्रसाद, के. एम. मुंशी के राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्बन्ध में विचार
- राष्ट्रभाषा हिन्दी के समक्ष चुनौतियाँ

इकाई 2: भारतीय संविधान में हिन्दी

- संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्णित भारतीय भाषाओं की सूची तैयार करना
- संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्णित भारतीय भाषाओं में से किन्हीं दो का संक्षिप्त परिचय
- संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- औपचारिक पत्र लेखन
- ज्ञापन लेखन
- स्व-वृत्त लेखन

इकाई 4

- राष्ट्रभाषा से सम्बन्धित स्लोगन लेखन
- राष्ट्रप्रेम/हिन्दी भाषा से सम्बन्धित किन्हीं दो कविताओं का संकलन
- राष्ट्रभाषा के संबंध में हिन्दी के किन्हीं दो प्रमुख साहित्यकारों के विचारों का संकलन

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. भाषायी अस्मिता और हिन्दी - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव: वाणी प्रकाशन संस्करण 2016
2. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978
3. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
5. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया **(Teaching Learning Process)**

- इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति **(Assessment Method)**

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

हिन्दी 'ग'

हिन्दी मीडिया

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में हिन्दी के महत्त्व को समझाना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

• भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।

• स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा ।

• वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: हिन्दी भाषा का महत्त्व

- राष्ट्रीय एकता और हिन्दी
- संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी
- रोजमर्रा के जीवन में हिन्दी की उपयोगिता

इकाई 2 मीडिया में हिन्दी

- सोशल मीडिया में हिन्दी
- फिल्मों में हिन्दी

- विज्ञापन में हिन्दी

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- हिन्दी फिल्मों के किन्हीं पाँच लोक गीतों का संकलन
- तीज-त्योहारों से सम्बन्धित किन्हीं पाँच विज्ञापनों का संकलन
- 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' पर केन्द्रित किसी कार्यक्रम पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुति

इकाई 4

- किसी पर्यटन स्थल की यात्रा का अनुभव-लेखन
- किसी एक भारतीय पर्व संबंधी रिपोर्ट लेखन
- किसी क्रिकेट मैच को देखने का अनुभव-लेखन

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम: भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016
2. भाषायी अस्मिता और हिन्दी - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव: वाणी प्रकाशन संस्करण 2016
3. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका - विद्यानिवास मिश्र: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978
4. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
6. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया **(Teaching Learning Process)**

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए

- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति **(Assessment Method)**

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'ग'

कार्यालयी हिंदी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग की जानकारी
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

• भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।

• स्नातक स्तर का विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा ।

• वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

इकाई 1: कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप

- कार्यालय में हिन्दी का उपयोग
- विश्व के किन्हीं दो राष्ट्रों की कार्यालयी भाषा का संक्षिप्त परिचय
- हिन्दी का अंतर्राष्ट्रीय रूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

इकाई 2: औपचारिक लेखन

- समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र-लेखन
- ज्ञापन-लेखन
- परिपत्र-लेखन

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई 3

- जनहित में किये गये किसी कार्य का अनुभव-लेखन
- किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र-लेखन
- कॉलेज में आने का अनुभव-लेखन

इकाई 4

- छात्रसंघ चुनाव से संबंधित रिपोर्ट लेखन
- वार्षिकोत्सव का अनुभव-लेखन
- खेल दिवस का आँखों-देखा हाल लिखना

नोट: इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य: न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।
- अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।
- फ़ाइल कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी: कलिंग पब्लिकेशन्स
2. व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग - डॉ. ओम प्रकाश: राजपाल एंड संस संस्करण 2003
3. प्रायोगिक हिन्दी - सं रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण 2013
4. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी: अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली

5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे: वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
6. मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी: प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया **(Teaching Learning Process)**

- इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति **(Assessment Method)**

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक